

आरएसएस और विद्या भारती ने शिक्षा के क्षेत्र में लहराया परचम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शिकारपुर, मुरादाबाद। आरएसएस के क्षेत्रीय बौद्धिक प्रमुख पश्चिमी उत्तर प्रदेश डॉक्टर रूपनारायण ने कहा कि शिकारपुर क्षेत्र में आरएसएस और विद्या भारती ने शिक्षा के क्षेत्र में परचम लहराया है। इनकी संस्थाओं से निकले अनेक मेधावी देश में विभिन्न उच्च पदों पर आसीन हैं जिन्होंने क्षेत्र, समाज, गांव और जिले का नाम रोशन किया है। 53 कालेजों के 211 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया है। सोमवार को रज्जू भैया सरस्वती विहार के तत्वाधान में पूर्व सरसंघचालक रज्जू भैया एवं विभिन्न कालेजों के संस्थापक जयप्रकाश गुप्ता की स्मृति में आयोजित मेधावी सम्मान समारोह में मुख्य वक्ता ने दोनों महान विभूतियों की महिमा का गुणगान किया। उन्होंने कहा कि मेधावी भविष्य में जीवन की विभिन्न परीक्षाओं में अख्यल आने के लिए इसी प्रकार मेहनत करते रहें। जिससे उनके माता-पिता और परिवार उन पर गर्व महसूस करें। संघ के क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख पदम सिंह ने संघ द्वारा

क्षेत्रीय बौद्धिक प्रमुख रज्जू भैया और जयप्रकाश गुप्ता याद किए गए 53 कालेजों के 211 मेधावी सम्मानित किए

और विद्या भारती के प्रांतोय काष्ठाप्यक्ष सुशील कुमार ने प्रदेश और देश में शिक्षा के क्षेत्र में उठाए गए कदमों की जानकारी दी।

मेधावी अभिनंदन समारोह के क्रम में केशव माधव सरस्वती विद्या मंदिर ककोड, लाला किशोरी मल भगवान दास सरस्वती विद्या मंदिर छतारी, ललिता प्रसाद सरस्वती विद्या मंदिर बुलंदशहर, महाराज श्री जीवन लाल सरस्वती विद्या मंदिर नरौरा, पहलाद स्वरूप सरस्वती विद्या मंदिर जहंगीराबाद, रज्जू भैया सैनिक विद्या मंदिर खंडवाया, राम मूर्ति हर स्वरूप बालिका विद्या मंदिर खुर्जा, सरस्वती बालिका विद्या मंदिर सिकंदराबाद, सरस्वती शिशु मंदिर डिबाई, सरस्वती शिशु मंदिर सिकंदराबाद, सरस्वती विद्या मंदिर बेलोन, सरस्वती विद्या मंदिर कन्या इंटर कालेज शिकारपुर, सेठ होती

लाल सरस्वती शिशु विद्या मंदिर पहासू, कान्ति प्रकाश सरस्वती विद्या मंदिर अनुपशहर, सूरजभान सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज शिकारपुर, स्वामी सत्यानंद सरस्वती बालिका विद्या मंदिर जहंगीराबाद त्रिवेणी दत्त ब्रह्मचारी सरस्वती विद्या मंदिर डिबाई, विवेकानंद सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज बुलंदशहर, श्रीमती सावित्री देवी लक्ष्मी चंद्र सरस्वती विद्या मंदिर खुर्जा, छत्रपति शिवाजी सरस्वती विद्या मंदिर बुलंदशहर, आदर्श मीना इंटर कालेज दलेलगढ़ी, डीएपी इंटर कालेज, डीएसएम ऑक्सफोर्ड इंटर कालेज, राजकीय कन्या इंटर कालेज, हैप्पी ब्यू वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, मां भगवती इंटरनेशनल स्कूल, नेशनल इंटर कालेज, ओमवती इंटर कालेज, रावत इंटर कालेज, शंभू नाथ इंटर कालेज, श्री चंद्रमौली इंटर कालेज शिकारपुर, इंदिरा गांधी इंटर कालेज कैलावन, इंटर कालेज जटपुरा, इंटर कालेज सुरजावली, इंटरमीडिएट कालेज पहासू, जनता इंटर कालेज अहमदागढ़, केपी कान्ता इंटर कालेज भोजपुर, मुकर्रम इंटर कालेज पहासू, ओलंपियन पब्लिक

स्कूल खुदादिया, सर्वोदय इंटर कालेज सलेमपुर, उर्मिला राघव आर्य इंटर कालेज पहासू, कुबेर इंटर कालेज डिबाई, डॉक्टर जनदीश मेमोरियल पब्लिक स्कूल व श्री राम इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजिंग एंड टेकोलॉजी डिबाई, जनता इंटर कालेज सियाली, जेपी यूनिवर्सिटी अनुपशहर, आरजे इंस्टिट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन चौधेरा, एसडी कन्या पीजी कालेज डिबाई, सरस्वती विद्या मंदिर ला कालेज व श्यामलाल सरस्वती महाविद्यालय शिकारपुर, सेठ रामानंद मंगल सिंह डिग्री कालेज छतारी आदि कालेज के मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। मेधावियों को शील्टड और प्रमाण पत्र श्यामलाल सरस्वती महाविद्यालय के प्रबंधक अनुराग गोयल, प्राचार्य डॉक्टर ललित गुप्ता, पदम सिंह, सुशील कुमार, डॉ रूप नारायण, रज्जू भैया सैनिक विद्या मंदिर खंडवाया के प्रधानाचार्य गोविंद गुप्ता, आरएसएस के विभाग कार्यकारिणी सदस्य डॉक्टर एलएम गुप्ता, अशोक मित्तल, अनिल मित्तल, संदीप जैन, डॉक्टर नीरज और पुरुषोत्तम वार्ष्णय आदि ने प्रदान किए।

जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों की प्रगति को लेकर की समीक्षा बैठक

मुरादाबाद । जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिले में निर्माणाधीन विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जिले में ऐसी परियोजनाएँ जिनका निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है उन सभी कार्यों का अधिकारियों की टीम द्वारा भौतिक सत्यापन कराया जाएगा ताकि निर्धारित कार्ययोजना के अनुरूप कार्यों की गुणवत्ता और मानकों की स्थिति का सत्यापन कराया जा सके।मुरादाबाद में स्काडा के अंतर्गत कराए जा रहे कार्यों में प्रगति न बढ़ने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। विगत माह में आयोजित बैठक के बाद से अब तक कार्य में कोई प्रगति नहीं हुई जिस पर जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से कारणों के बारे जानकारी ली।गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के विभिन्न भवनों के निर्माण की स्थिति की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यवाई संस्था को निर्देश दिए कि वे जनशक्ति में वृद्धि करें तथा नियमित तौर पर मॉनिटर करते हुए कार्य में तेजी लाएं।नलकूपों के निर्माण की स्थिति के बारे में समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि नलकूप निर्माण के साथ-साथ निर्धारित कार्य योजना के अनुसार पाइपलाइन बिछाने के दौरान भी गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए ताकि किसानों को सिंचाई के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न न होने पाए।

पुलिस ने मुठभेड़ में कुख्यात गो तस्कर गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। सहसवान क्षेत्र में टेढ़ा घाट पुल के पास रविवार रात पुलिस की कुख्यात गो तस्कर से मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पैर में गोली लगी है। थाना सहसवान क्षेत्र में पुलिस ने रविवार देर रात मुठभेड़ के दौरान कुख्यात गो तस्कर को गिरफ्तार किया है।

आरोपी के कब्जे से तमंचा, दो कारतूस, एक खोखा कारतूस तथा गोकशी में प्रयुक्त उपकरण बरामद हुए हैं। मुठभेड़ थाना सहसवान क्षेत्र के टेढ़ा घाट पुल के पास हुई। थाना पुलिस के मुताबिक मुखबर से सूचना मिली थी कि शाहिर तस्कर, जो कई बार जेल जा चुका है और हाल ही में रिहा हुआ है। फिर से पशुओं को मारने की फिराक में है। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक धनंजय सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने रणनीति बनाकर



आरोपी को चारों ओर से घेर लिया। खुद को धिरा देख आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में आरोपी को गोली लग गई। पुलिस ने घायल आरोपी को गिरफ्तार कर उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा।

गिरफ्तार आरोपी एजाद है, जो गांव

लापरवाह बीएलओ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। लापरवाह बीएलओ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के निर्देश एसडीएम सदर ने दिए हैं। इससे पहले उसको नोटिस के साथ ही मानदेय रोकने की भी कार्रवाई हो चुकी है। इसके बाद भी उसने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य शुरू नहीं किया।

लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ एसडीएम सदर मोहित कुमार ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने विधानसभा शेखपुर के प्राथमिक विद्यालय सदोमई (मजरा अलानपुर) पर तैनात बीएलओ अशोक कुमार की ओर से चुनाव कार्य प्रारंभ न किए जाने पर कठोर कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। एसडीएम सदर ने बताया कि बीएलओ को पहले नोटिस के माध्यम से कार्य प्रारंभ करने के लिए निर्देशित किया गया था। इसके बाद भी कार्य न करने पर आठ नवंबर को फिर नोटिस

लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ एसडीएम सदर मोहित कुमार ने कड़ा रुख अपनाया है

जारी किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र कुमार सिंह को उनके मानदेय रोकने और तत्काल कार्य आरंभ कराने के निर्देश दिए गए। इसके बावजूद का कार्य शुरू नहीं किया। इस पर उच्च अधिकारियों ने गंभीर नाराजगी व्यक्त की है।

इसके बाद एसडीएम सदर ने बीएलओ अशोक कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि चुनाव कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता का कार्य है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। भविष्य में ऐसे किसी भी कर्मचारी/अधिकारी की ओर से चुनाव दायित्वों की अवहेलना की, तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

शहर में खुले अंडरग्राउंड बिजली बॉक्स बन रहे जान का खतरा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। शहर को आधुनिक बनाने और भूमिगत केबलिंग व्यवस्था लागू करने पर लाखों रुपये खर्च किए गए, लेकिन मैदान में तस्वीर बिल्कुल उलट है। मेटेनेंस की भारी लापरवाही और अधिकारियों की अनदेखी के चलते शहर के कई इलाकों में अंडरग्राउंड बिजली बॉक्स खुलकर मौत का जाल बनते जा रहे हैं।

जंग लगे ढांचे, बाहर निकली नंगी तारें, टूटे ढक्कन और खुले कनेक्शन३ ये सारी स्थितियां किसी भी बचाव दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि चुनाव कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता का कार्य है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। भविष्य में ऐसे किसी भी कर्मचारी/अधिकारी की ओर से चुनाव दायित्वों की अवहेलना की, तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पथर रखकर खानापूर्ति की गई है। अंदर की तारें उलझी हुई हैं, जो खुले रूप में दिखाई दे रही हैं। कुछ तारें तो जमीन तक पहुंच चुकी हैं। बॉक्स का नीचे का लोहे का फ्रेम जंग खाकर टूट रहा है और पूरे बॉक्स का ढांचा मिट्टी में धंसता जा रहा है। अमर सिंह, उर्मिलेश कुमार का कहना है कि इस रास्ते से शहर के कई इलाकों में अंडरग्राउंड बिजली बॉक्स खुलकर मौत का जाल बनते जा रहे हैं। हल्का सा रिसाव भी किसी बड़ी दुर्घटना को जन्म दे सकता है।बारिश के दौरान बॉक्स पानी से भर जाता है, ये सारी स्थितियां किसी भी बचाव मानक पर खरी नहीं उतरतीं। ये हर गुजरते रहमीरे के लिए खतरा पैदा कर रही हैं। शहर के नेकपुर गली नंबर एक में स्थित अंडरग्राउंड बिजली बॉक्स पूरी तरह इकड़ियों द्वारा सुव्यवस्थित ढंग से तो इसका कवर बचा है और न ही कोई सुरक्षा इंतजाम। बॉक्स का ऊपर का ढक्कन पूरी तरह गायब है। बाजार और

भीड़भाड़ वाली जगहों पर भी खुले बिजली बॉक्स लोगों के लिए रोजाना जोखिम पैदा कर रहे हैं। मेटेनेंस की कमी और खराब गुणवत्ता बनी हार्दसों की जड़- बिजली विभाग ने अंडरग्राउंड केबलिंग तो कर दी, लेकिन उसके नियमित रख-रखाव पर ध्यान देना पूरी तरह भूल गया। मोहित सागर, रोहित सिंह का कहना है कि ये बॉक्स बेहद सस्ती और कमजोर सामग्री से बनाए गए हैं, जिसकी वजह से बारिश और धूप में जंग लगने के बाद बॉक्स टूटने लगे और ढक्कन खुलते चले गए। कई बार शिकारियों के बावजूद विभाग की तर्फ से मौके पर देखने तक कोई नहीं पहुंचा। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि तुरंत सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। जहां भी बिजली के बॉक्स खुले पड़े हैं, उनको जल्द ही ठीक करत्या जाएगा। कुछ शिकारयतें आई हैं। उन पर काम किया जा रहा है। -संजीव कुमार, प्रभारी अधीक्षण अभियंता विद्युत निगम

एसडीएम की अध्यक्षता वाली समिति करेगी विद्यालयों की आधारभूत सूचनाओं की जांच

बदायूं। माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित होने वाली परीक्षा वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षाओं हेतु प्रबन्धक व प्रधानाचार्यों द्वारा परिषद की सेवा भावना को प्रोत्साहित करने का उद्देश्य रखा गया है। कार्यक्रम का संचालन रेंजर-रोवर इकाइयों द्वारा सुव्यवस्थित ढंग से किया गया। शिविर आगामी दिनों में विभिन्न समाजसेवी, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक गतिविधियों के साथ जारी रहेगा।

एसडीएम की अध्यक्षता वाली समिति करेगी विद्यालयों की आधारभूत सूचनाओं की जांच

बदायूं। माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित होने वाली परीक्षा वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षाओं हेतु प्रबन्धक व प्रधानाचार्यों द्वारा परिषद की सेवा भावना को प्रोत्साहित करने का उद्देश्य रखा गया है। कार्यक्रम का संचालन रेंजर-रोवर इकाइयों द्वारा सुव्यवस्थित ढंग से किया गया। शिविर आगामी दिनों में विभिन्न समाजसेवी, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक गतिविधियों के साथ जारी रहेगा।

खेल महोत्सव का शुभारंभ
शिकारपुर, मुरादाबाद । विजडम वर्ल्ड स्कूल में खेल महोत्सव 2025 का शुभारंभ हुआ, जिसमें विभिन्न खेलकूद हुए। खेल महोत्सव का समापन 14 नवंबर को होगा। सोमवार को खेल महोत्सव का शुभारंभ अंतरराष्ट्रीय पहलवान गोल्ड मेडलिस्ट राजेश भाटी, सीआरपीएफ गोल्ड मेडलिस्ट नेशनल रेसलर शैलेश भाटी, संग्राम सिंह, उदय प्रधान तथा जोगो पहलवान द्वारा फीता काट कर किया गया। अतिथियों के स्वागत गान में ओम, अर्जुन, आराध्या, माही, रूही, गर्वित, अवनी, अनुष्का, दिया और जिजा ने मनमोहक प्रस्तुति दी। इसके बाद मशाल के साथ मार्च पास्ट हुआ, जिसमें भाभा सदन के दुर्घ्यंत सैनी के नेतृत्व में खेल ज्योति प्रज्वलित की गई। मार्च पास्ट करते हुए चारों सदनों भाभा, कलाम, आर्यभट्ट और रमन के कप्तानों ने छात्रों के साथ मुख्य अतिथि को सलामी दी। प्रबंधक संजय जैन, निदेशक नमन जैन, प्रधानाचार्य राजकुमार तेलविया ने खेल भावना, टीम वर्क और अनुशासन के महत्व पर प्रकाश डाला। खेल प्रतियोगिताओं में वॉलीबॉल, खो-खो तथा बाधा दौड़ हुए। निहारिका, चांदनी शर्मा, सृष्टि सक्सेना, सोनू, सचिन गोस्वामी एवं प्रिया गुप्ता आदि का सहयोग रहा।

बीएड प्रशिक्षुओं का दीक्षारंभ आयोजित

अनुपशहर, मुरादाबाद । डीपीबीएस कालेज में बीएड प्रशिक्षुओं का दीक्षारम्भ कार्यक्रम का आयोजित किया गया। सोमवार को बीएड के प्रशिक्षुओं का दीक्षारम्भ कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के सम्मुख प्राचार्य डा. जीके सिंह ने दीप जलाकर किया। प्राचार्य डा. जी के सिंह ने छात्रों को अपने आशीर्वाचनों के रूप में मन से मेहनत करने ,पढ़ाई करने और अपने माता-पिता और महाविद्यालय का नाम रोशन करने का आह्वान किया। डा. पी के त्यागी ने छात्रों को जीवन में अच्छे शिक्षक बनने के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात प्राध्यापक पंकज प्रकाश ने छात्रों को बीएड प्रथम वर्ष का मार्गदर्शन और छात्रों के लिए महाविद्यालय में जो सुविधाएं लाइब्रेरी आदि के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। बीएड विभाग के प्राध्यापक डा.शैलेन्द्र सिंह, गुरुदत्त शर्मा, यजुवंद्र कुमार, डा. सुनीता गौड आदि द्वारा बी एड प्रथम वर्ष के सिलेबस पर विस्तृत जानकारी दी। बी एड द्वितीय वर्ष की छात्रा तोशी वार्षणेय और साधना शर्मा ने भी अपने बीएड प्रशिक्षण के दौरान के अनुभव महाविद्यालय के साथ साझा किए। प्रशिक्षुओं में शिवानी, टैविका, प्रदीप कुमार, रनेहा कौशिक, शगुन चौधरी,कुमकुम, प्राची, कंचन वर्मा, , पिकी, धर्मेद्र शर्मा आदि सभी शामिल रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

संभल। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के आदेशानुसार एवं जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जनपद सन्मल डॉ विदुषी सिंह के निम्नपद में जनपद न्यायालय सम्भल में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है।इस लोक अदालत में आपराधिक एधद्घध्पद्घत्थद्घ प्रकरण, दीवानी वाद, मोटर दुर्घटना दावा प्राधिकरण, पारिवारिक विवाद, बैंक वसूली, बिजली-पानी बिल, श्रम प्रकरण, भूमि एवं अन्य वादों का निस्तारण आपसी सुलह-समझौते के माध्यम से किया जायेगा।लोग अदालत में मामलों का निस्तारण आपसी सहमति से किया जाता है, जिससे पक्षकारों के समय व धन दोनों की बचत होती है। लोक अदालत में पारित निर्णय अंतिम होता है तथा उसके विरुद्ध अपील का अधिकार नहीं होता है।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सभी नागरिकों से अनुरोध है कि वे अपने लम्बित प्रकरणों को लोक अदालत में प्रस्तुत कर, आपसी समझौते से सुलझाकर न्याय प्राप्त करें।लोक अदालत के माध्यम से सस्ता, सुलभ और त्वरित न्याय प्राप्त करने का यह सुनहरा अवसर है।यह जानकारी श्री अवधेश कुमार सिंह, नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत / अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट), सम्भल स्थित चन्दीसी द्वारा दी गयी।

मतदाताओं से बीएलओ को प्रप्रत्र जमा कराने की अपील

बदायूं। दातागंज विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत रविवार को क्षेत्रीय विधायक राजीव कुमार सिंह और उपजिलाधिकारी दातागंज धर्मेद्र कुमार सिंह को गणना पत्रत्र सौंपे गए। विधानसभा क्षेत्र में कुल 4,18,699 मतदाता पंजीकृत हैं। इनके बीच चार नवंबर से ईएफ फॉर्म का वितरण शुरू कर दिया गया है। इन फॉर्मों को मतदाताओं को भरकर अपने-अपने बीएलओ के पास जमा कराना होगा। जिन मतदाताओं का नाम 2003 की मतदाता सूची में दर्ज है, उन्हें किसी भी प्रकार का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने के आवश्यकता नहीं होगी। मतदाता स्वयं भी आयोग की वेबसाइट पर जाकर 2003 की मतदाता सूची में अपना नाम सत्यापित कर सकते हैं। अभियान के दौरान मौजूद बीएलओ और सुपरवाइजरों ने एसआईआर प्रक्रिया के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

ट्रेनी आईएएस अधिकारियों ने रिसौली गांव का किया दौरा

बदायूं। आंकाक्षा ब्लॉक अंबियापुर की ग्राम पंचायत रिसौली में रविवार को ट्रेनिंग दौरा से आए छह ट्रेनी आईएएस अधिकारियों ने गांव का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। मंसूरी सेंटर से आए ट्रेनी आईएएस मुकुल गाबा, पूनम कसाना, नम्रता जेफ, वाविलपल्ली भार्गव, आयुष राहुल कोकोट एवं निखिल शर्मा ने गांव में जेंडर गैप, श्रमदान, स्वच्छता अभियान, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा व्यवस्था और सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से जुड़ी जानकारी जुटाई। उन्होंने ग्रामीणों से योजनाओं के लाभ की स्थिति और जन जागरूकता पर भी चर्चा की। ट्रेनी अधिकारियों ने आंगनबाड़ी केंद्र, विद्यालय, पंचायत भवन और ग्राम सचिवालय का निरीक्षण करते हुए यहां श्रमदान किया। उन्होंने ग्राम प्रधान और सचिव से गांव के विकास कार्यों और पंचायत की योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट का अवलोकन किया।अधिकारियों ने कहा कि सरकारी योजनाओं का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है। ग्रामीणों ने अधिकारियों के सामने अपनी समस्याएं भी रखीं। इस मौके पर ब्लॉक के अधिकारी, ग्राम प्रधान समेत स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

आबिद राजा ने चादर व गुलपोशी की

बदायूं। दरगाह आलिया कादरिया में हजरत शाह ऐनुलहक कादरी के उर्स के मौके पर हर साल की तरह इस साल भी पूर्वमंत्री आबिद रजा की ओर से दरगाह आलिया कादरिया में कैप लगाया गया,तथा लंगर तर्कसीम किया गया।पूर्वमंत्री आबिद रजा ने दरगाह पहुँचकर चादरपोशी व गुलपोशी की। सोमवार को दरगाह आलिया कादरिया में उर्स कादरी के अवसर पर चल रहे तीन दिवसीय उर्स के मौके पर पूर्व मंत्री आबिद रजा ने चादर पोशी की तथा गुलपोशी की कोम व लूक की तर्क्की के लिए दुआ की। इसके अलावा उन्होंने दुआ की कि पुरे देश, प्रदेश व बदायूं में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सभी एक दूसरे से मोहब्बत करें व मुस्क की तर्क्की के लिए दुआ की। इसके अलावा उन्होंने दुआ की कि पुरे देश, प्रदेश व बदायूं में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सभी एक दूसरे से मोहब्बत करें व इंग्लानियत का पोपाम पूरी दुनिया में दे। इस अवसर पर सोहिल सिद्दीकी, साजिद नेता ,फ़रहत सिद्दीकी, सभासाद अनवर खां, सभासाद छोटा, सभासाद मुहसिद सैफी,पूर्व सभासाद माजिद खां, अफसर अली खां, कौसर अली खन ,समर खां, , मोहम्मद मियां, भइये भाई ,छोटू बबलू, चुन्नु मियां पूर्व प्रधान, वसीम सैफी, शहंशाह गाजी, समी उद्दीन आदि मौजूद रहे।

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। राजकीय महाविद्यालय, बदायूं में रेंजर-रोवर इकाइयों के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ गरिमामय वातावरण में किया गया। शिविर के प्रथम दिवस का आरंभ प्राचार्य, डॉ अनिल कुमार द्वारा ध्वजारोहण एवं रेंजर-रोवर प्रतिज्ञा के साथ हुआ।

इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, सेवा, सहयोग एवं राष्ट्र निर्माण की भावना को अपने जीवन में आत्मसात करने का संदेश दिया। शिविर के ट्रेनर श्री असरार अहमद ने रेंजर-रोवर संगठन की मूल भावना, इतिहास एवं उसके सामाजिक दायित्वों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रेंजर-रोवर के सदस्य समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण एवं मानवता के आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।रेंजर लीडर श्रीमती शशि प्रभा एवं डॉ. सरिता तथा रोवर लीडर डॉ. प्रेमचंद एवं डॉ. गौरव कुमार सिंह ने शिविरार्थियों को अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं सामूहिक कार्य की भावना के महत्व पर

प्रेरणादायी विचार साझा किए।कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यपक डॉ अनिल कुमार, डॉ. हुकुम सिंह, डॉ. सारिका, डॉ. रविन्द्र सिंह यादव, डॉ. बबोता यादव, डॉ संजीव राठीर, डॉ. राकेश जायसवाल, डॉ. पी. के. शर्मा, डॉ सचिन, डॉ प्रियंका, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों में संजीव शाक्य तथा प्रमोद कुमार उपस्थित रहे।

सभी अतिथियों ने शिविर के प्रथम दिवस की गतिविधियों की सरहाना की और रेंजर-रोवर सदस्यों को समाज के प्रति कर्तव्यनिष्ठ

डीएपी की किल्लत पर यूथ कांग्रेस ने डीएम को ज्ञापन सौंपा

अमेठी। रवि फसल की बुआई के समय डीएपी खाद की भारी कमी से जूझ रहे किसानों की समस्या को लेकर यूथ कांग्रेस ने आगे आकर कदम बढ़ाया है। यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष शुभम सिंह की अगुवाई में यूथ कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल के नाम सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा है। यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष शुभम सिंह ने जिलाधिकारी को सौंपे गये ज्ञापन में लिखा है कि अमेठी जनपद के अधिकांश वितरण केंद्रों पर डीएपी खाद की उपलब्धता अत्यंत सीमित है।किसानों को सुबह से लेकर देर शाम तक लम्बी लम्बी कतारों में खड़ा रहना पड़ता है लेकिन पर्याप्त खाद न मिलने से उनके हाथ निराशा लगती है जिससे किसानों की फसलों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।यूथ कांग्रेस ने मांग की है कि प्रशासन तत्काल हस्तक्षेप करते हुये जिले के सभी वितरण केंद्रों पर डीएपी खाद की पर्याप्त और नियमित आपूर्ति सुनिश्चित कराये ताकि किसान समय पर बुआई कर सकें और फसल उत्पादन प्रभावित न हो।

करनैलगंज में गोंडा-लखनऊ रोड पर अवैध वाहन स्टैंड से लग रहा जाम, राहगीर परेशान

आईजी साहब हाइवे सड़क पर सवारी भरते हैं वाहन चालक आए दिन हो रहे हादसे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। लखनऊ मार्ग हाईवे पर अवैध वाहन स्टैंड और अतिक्रमण के चलते इन दिनों करनैलगंज नगर भीषण जाम के झाम से जूझ रहा है, नगर की सभी सड़कों पर मनमाने स्टैंड संचालित है। शाम होते ही गोंडा-लखनऊ रोड हुजूरपुर मोड़ पर डबल डेकर बसों का जमावड़ा लग जाता है बस, ई-रिक्शा व अन्य वाहन चालक सड़क पर ही सवारी भरते हैं और जाम की वजह बनते हैं जिससे आमजन को समस्या का सामना करना पड़ रहा है।



वहीं, अवैध वाहन स्टैंडों के खिलाफ कार्रवाई न होने से वाहन चालकों के हासिले बु लंद हैं। हुजूरपुर मार्ग व गोंडा-लखनऊ फोरलेन हाईवे सड़क पर ही सवारी भरते हैं और जाम की वजह बनते हैं जिससे आमजन को समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

दर्जन बसों को खड़ा कर सवारियों बैठा ई व उतारी जाती है। यहीं पर बाकायदा कई ब स वालों ने अपना कार्यालय तक खोल रखा है। अवैध आए दिन जाम के झाम में जूझता नजर आता है। सबसे गंभीर समस्या तो बहराइच मोड़ पर है। यहाँ प्रतिदिन अवैध रूप से संचालित क रीब दो

इन स्थानों पर संचालित हो रहे मनमाने स्टैंड गोण्डा-लखनऊ मार्ग पर बहराइच मोड़ के पास अवैध स्टैंड संचालित है। यहाँ डबल डेकर बस व टैक्सी चालक सड़क पर ही सवारी भरते नजर आते हैं। करनैलगंज-कटरा मार्ग व परसपुर रो ड पर अस्थाई बस स्टॉप के पास वाहनों का ज मावड़ा लगा रहता है। यहाँ ई-रिक्शा, जीप व बसें सड़क के दोनों ओर खड़ी नजर आती हैं, यहाँ पर भी सड़क पर ही सवारियों को बिटाने-उतारने का काम होता है। करनैलगंज-हुजूरपुर मार्ग पर सुक्खापुरवा व रेलवे क्रॉसिंग के पास वाहन ख डे नजर आते हैं। सड़क के दोनों ओर बेतरतीब खड़े यह वाहन जाम का सबब बनते हैं। वहीं गोण्डा-लखनऊ हाइवे सड़क पर चल रहे अवैध स्टैंड के बारे करनैलगंज क्षेत्राधिकारी से जान कारी ली गई तो उन्होंने बताया कि आप बता दीजिए हम नोट कर ले रहे हैं अभी दिखवाते हैं।

के लिए किया जाता है बस स्टॉप पर तो पुलिस पिकेट लगाई जाती है। लेकिन मौर्य नगर व हुजूरपुर मोड़ पर कोई भी पुलिस कर्मों तक मौजूद नहीं रहते है। बस संचालकों की मनमानी का आलम यह है कि वे अप नी बसों को सड़क पर ही खड़ा कर देते हैं। पी छे कितना भी जाम लगे इससे

उनका कोई ले ना देना नहीं रहता है। इस जाम के चलते आए दिन एंबुलेस व स्कूल बसे भी प्रभावित होती रहती है। पुलिस व आरटीओ का भी इन बस संचालकों को कोई भय नहीं रहता है। बताया जा रहा है कि दोनों विभागों के सेटिंग से यह धंधा इन दिनों अपनी चरम सीमा पर है।

गोंडा में बड़गांव रेलवे ओवरब्रिज से गिरी रोड मिक्सिंग मशीन, दो गंभीर रूप से घायल

ट्रक चालक इटियाथो क निवासी मुकेश घायल हो गया है

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। गोण्डा-बलरामपुर रोड रेलवे ओवरब्रिज की रेलिंग को तोड़ कर मिक्सिंग मशीन ट्रक नीचे गिर गया इसमें चालक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को मेडिकल कालेज से संबद्ध बाबू ईश्वर शरण चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।



लगने वाली दुकानें क्षतिग्रस्त हो गई गनीमत रही कि घटना देर रात को हुई, दिन में यह हादसा होने पर कई लोग की जान खतरे में पड़ सकती थी। पुल का हिस्सा टूटकर लटका हुआ है जिससे कि अभी हादसे की आशंका बनी है। नगर कोतवाल विवेक त्रिवेदी ने कहा कि हाद सा रविवार की देर रात में हुआ है। चालक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ओवरब्रिज के क्षतिग्रस्त हिस्से की ओर लोगों को जाने से रोक दिया गया है मौके पर पुलिस मौजूद है।

रेलिंग तोड़कर पुल से ट्रक के गिरने से ननकू के कामेटिक व रफोक की तंबाकू की दुकान क्षतिग्रस्त हो गई है। नगर कोतवाली के बड़गांव रेलवे ओवरब्रिज पर रविवार की देर रात इटिया थोक की तरफ आ रह मिक्सिंग मशीन वाला ट्र क बेकाबू होकर रेलवे ओवरब्रिज की रेलिंग को तोड़ते हुए नीचे गिर गया। ट्रक चालक इटियाथो क निवासी मुकेश घायल हो गया है। ओवरब्रिज के नीचे

जनपद को समृद्ध एवं विकसित बनाने के लिए प्रति व्यक्ति का आय होना आवश्यक

कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में श्री लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय के आई.क्यू ए.सी. समन्वयक भौतिक विज्ञान विषय के विभागाध्यक्ष प्रो. जितेंद्र सिंह एवं विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान डॉ. रेखा शर्मा ने अपने उद्बोधन द्वारा छात्र- छात्राओं को जागरूक किया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन के निर्देशन मुख्य विकास अधिकारी अंकिता जैन के मार्ग दर्शन एवं प्राचार्य रवीन्द्र कुमार के संयोजकत्व में जनपद के महाविद्यालयों में विकसित उत्तर प्रदेश 2047 विषय पर आयोजित संवाद एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन माँ गायत्री राम सुख महाविद्यालय मसकनवा गोण्डा में किया गया।

जिसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में श्री लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय के आई.क्यू ए.सी. समन्वयक भौतिक विज्ञान



विषय के विभागाध्यक्ष प्रो. जितेंद्र सिंह एवं विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान डॉ. रेखा शर्मा ने अपने उद्बोधन द्वारा छात्र छात्राओं को जागरूक करते हुए जन कल्याण हेतु सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाएं और समर्थ एवं विकसित उत्तर प्रदेश 2047 के लक्ष्य को पूरा करने में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला साथ ही युवाओं को विकसित उत्तर प्रदेश 2047 सुझाव लिंक पर अपने सुझाव भी 150 शब्दों में लिख कर पोस्ट करने के लिए उत्प्रेरित किया।

प्रो. जितेंद्र सिंह ने कहा जब गोण्डा के प्रति व्यक्ति की आय को पाँच से सात ला

ख प्रति वर्ष 2047 तक पहुँचकर विकसित प्रदेश के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। महाविद्यालय के प्रशासक डॉ. घनश्याम शुक्ला ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला सफल मंच संचालन डॉ. अविनाश तिवारी ने किया उतर को विकसित उत्तर प्रदेश बनाने के लिए छात्र छात्राओं ने अपने सुझाव साझा किए जि समें काजल मौर्य का सुझाव कुटीर उद्योग को बढ़ावा, अनीता चौधरी का सुझाव वैज्ञानिक खे ती, हरीश का सुझाव पर्यटन को बढ़ावा देना र हा उक्त कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी म नु लाल यादव, डॉ. कृष्ण कुमार मिश्रा, डॉ. कपिल देव वर्मा, विनोद शुक्ला डॉ. रवि शंकर मिश्रा, डॉ इंद्रसेन उपाध्याय, कौशल किशोर पांडे आशुतोष मल्ल, दामिनी पांडेय, कुसुम मौर्य, तेज मान उपाध्याय, कृष्ण मानी यादव, राज पांडेय, आशीष शुक्ला, राम महेश पांडेय, अमर पांडेय, काजल मौर्य का सहयोग सराहनीय रहा।

राजकीय कृषि बीज भण्डारों पर सभी रबी फसलों के आधारीय बीज 50 प्रतिशत एटसोस अनुदान पर उपलब्ध

रायबरेली। जिला कृषि अधिकारी अखिलेश पाण्डेय ने जनपद के कृषक बन्धुओं से कहा है कि चालू रबी सीजन 2025-26 में जनपद के प्रत्येक विकास खण्ड में स्थापित राजकीय कृषि बीज भण्डारों पर सभी रबी फसलों के प्रमाणित एवं आधारीय बीज 50 प्रतिशत एटसोस अनुदान पर उपलब्ध है जिसका वितरण पीओएसो मशीन के माध्यम से अनुदान की धनराशि को घटाकर किया जा रहा है। उन्होंने रबी बीजों के उपलब्धता एवं वितरण की स्थिति के बारे में जानकारी देते हुए बताया है कि गेहूँ का लक्ष्य (कुंतल में) 14300.00, उपलब्धता (कुंतल में) 7704.60, वितरण (कुंतल में) 3497.00 निर्धारित है, इसी प्रकार जौ लक्ष्य (कुंतल में) 42.00, उपलब्धता (कुंतल में) 41.98, वितरण (कुंतल में) 7.20 निर्धारित, चना का लक्ष्य 561.36, उपलब्धता 561.20, वितरण 324.60, मटर का लक्ष्य 192.00, उपलब्धता 191.90, वितरण 111.30, मसूर का लक्ष्य 42.00, उपलब्धता 23.35, वितरण 17.92 एवं राई/सरसों का लक्ष्य 167.18, उपलब्धता 146.90, वितरण 126.30 निर्धारित किया गया है।

सपा का प्रदर्शन, बोले भाजपा विधायक माफी मांगे कैसरगंज सांसद पर लगाया खनन करने का आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। जिले में समाजवादी छात्र सभा सहित विभिन्न फ्रंटल संगठनों ने भाजपा विधायक बावन सिंह के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया है। कार्यकर्ताओं ने कटरा बाजार में एकजुट हो कर विधायक से माफी मांगने की मांग की है। इस दौरान पुलिस से मामूली नोकझोंक भी हुई है। प्रदर्शनकारी समाजवादी पार्टी कार्यालय के गेट पर एकत्र हुए, क्योंकि पुलिस ने उन्हें सड़कों पर आने से रोक दिया था। कार्यकर्ताओं ने "भाजपा विधायक माफी मांगे, भाजपा विधायक शर्म करें जैसे नारे लगाए। बाद में सिटी मजिस्ट्रेट को एक ज्ञापन भी सौंपा गया। समाजवादी कार्यकर्ताओं का आरोप है कि भाजपा विधायक बावन सिंह ने दो दिन पहले दिवंगत कैबिनेट मंत्री विनोद कुमार उर्फ पंडित सिंह पर अपमान जनक टिप्पणी की थी। पंडित सिंह का निधन 2021 में कोरोना काल के दौरान हुआ था। सपा



कार्यक ताओं ने इस टिप्पणी को अस्वीकार्य बताया है, जिसके कारण पूरे जिले में लगातार विरोध प्रद र्शन हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी लोग इस बयान को लेकर भाजपा विधायक की आलोच ना कर रहे हैं। सपा छात्रसभा के जिलाध्यक्ष ने कैसरगंज सांसद पर अवैध खनन करवाने का आरोप भी लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा विधायक बावन

सिंह उन लोगों का नाम लेने से डर रहे हैं जो खनन करवाते हैं, और सांसद की शरण में बैठे हैं। जिलाध्यक्ष ने सवाल उठाया कि जब समाजवादी पार्टी नव साल से सत्ता में नहीं है और पंडित सिंह भी चार साल से इस दुनिया में नहीं हैं, तो गोण्डा में बालू खनन करवाने वालों का नाम लेने में विधायक को हिचकिचाहट क्यों हो रही है। उन्होंने कहा कि विधायक की बौद्ध लाहट साफ दिख रही है, जो दर्शाता है कि 20 27 में भाजपा की सरकार नहीं बन रही है। भा जपा विधायक को खिलाफ कार्रवाई की जाए और भाजपा विधायक सार्वजनिक रूप से आ कर के गोण्डा की जनता से माफी मांगे। स्वर्गीय पंडित सिंह केवल नेट नहीं थे बल्कि गरीबों और मजदूरों की आवाज थे आज वह जिंदा नहीं हैं तो उनके ऊपर यह लोग गलत आरोप लगा रहे हैं उनको शर्म आनी चाहिए कि जो अब इस दुनिया में नहीं है उसकी बुराई तो ना करें।

मिशन शक्ति टीम ने चौपाल लगाकर कर किया जागरूक



कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत जिले के तरबगंज थाना क्षेत्र में मिशन शक्ति टीमके द्वारा चौपाल लगाकर शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं, सहायता सेवाओं, साइ बर अपराधों आदि के बारे में छात्राओं और आम नागरिकों को जागरूक किया। लोगों को साइ बर अपराधों के बारे में जानकारी देकर उससे बचने के उपायों आदि के बारे में जागरूक कि या गया

और सतर्क रहने की सलाह दी गई। थाना तरबगंज प्रभारी निरीक्षक कमलाकांत त्रिपाठी के नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम के द्वारा कस्बे के बाल विद्या इंटर कॉलेज व स्कूलों में मिशन शक्ति टीम द्वारा चौपाल लगाकर लोगों को जागरूक किया गया। इस दौरान महिलाओं, बालिकाओं को शासन द्वारा चलाई जा रही वि भिन्न योजनाओं, सहायता सेवाओं, महिला अपराधों से सम्बन्धित विभिन्न कानूनों, हेल्पलाइन नम्बरों आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

मतदाता सूची पुनरीक्षण और किसान पंजीकरण को लेकर एसडीएम हुई सख्त

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच। उपजिलाधिकारी नानपारा मोनालिसा जौहरी की अध्यक्षता में राजस्व निरीक्षकों व लेखपालों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में तहसीलदार नानपारा एवं नायब तहसीलदार शिवपुर सहित सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में सर्वप्रथम फार्मर्स रजिस्ट्री कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। एसडीएम ने प्रत्येक लेखपाल को प्रतिदिन न्यूनतम 50 किसानों का पंजीकरण कराने का लक्ष्य दिया और निर्देशित किया कि जनसेवा केंद्रों एवं सहायक ऐप के माध्यम से अधिकतम रजिस्ट्रेशन कराए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक लेखपाल स्वयं तथा क्षेत्र लोगों को सहायक ऐप डाउनलोड कराकर कम से कम पाँच किसानों का पंजीकरण कराए, साथ ही कोटेदारों को भी इस कार्य में जोड़ा जाए। महिलाओं की फार्मर्स रजिस्ट्री को एडमिशन शक्ति अभियान से जोड़ते हुए एसडीएम ने निर्देश दिया कि पंजीकृत महिलाओं के दस्तावेज पोर्टल पर अपलोड कराए जाएं। इसके अतिरिक्त सीएससी केंद्रों



के माध्यम से ग्राम स्तर पर शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए। समीक्षा में बताया गया कि निधनगर संकल्प क्षेत्र में राजस्व अभिलेखों के अद्यतन न होने के कारण लगभग 60 प्रतिशत कार्य ही पूर्ण हुआ है। नायब तहसीलदार शिवपुर को निर्देशित किया गया कि वे शाम के समय चौपाल लगाकर किसानों को आधर एवं खतौनी के साथ फार्मर्स रजिस्ट्री के प्रति जागरूक करें। साथ ही सीसीई और जीसीई से संबंधित फसल कटाई प्रयोगों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। स्वामित्व योजना के अंतर्गत कुल 230 ग्रामों में से 228 ग्रामों का प्रपत्र-5 तैयार हो चुका है, जिनमें से 208 ग्रामों के प्रपत्र-10 पूर्ण हैं। अवशेष 22 ग्रामों में महिलाओं के दस्तावेज पोर्टल पर अपलोड कराए जाएं। इसके अतिरिक्त सीएससी केंद्रों

आयोग के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि 2003 की मतदाता सूची की 2025 की सूची से मैपिंग कार्य शीघ्र पूर्ण कराया जाए। बैठक में 130 बीएलओ द्वारा प्रशिक्षण की सूचना अंकित न किए जाने और 52 बीएलओ द्वारा मैपिंग कार्य न शुरू करने पर असंतोष व्यक्त किया गया। उन्होंने सभी सुपरवाइजर्स को निर्देश दिया कि आज ही यह कार्य प्रारंभ किया जाए तथा मतगणना प्रपत्रों का वितरण एवं संग्रह निर्धारित समय में कर जीपीएस फोटो सहित समूह में साझा किया जाए। राजस्व मामलों की समीक्षा के दौरान धारा 24 के अंतर्गत राजस्व निरीक्षकवार प्रगति प्रस्तुत की गई-नानपारा में 4, रजवापुर में 3, मटेर में 3, लक्ष्मपुर शंकरपुर में 3, और शिवपुर में 5 सत्यापन किए गए। साथ ही एक प्रकरण में पक्की मेडबंदी कराई गई। एसडीएम मोनालिसा जौहरी ने अंत में सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्धारित समय सीमा में सभी राजस्व, स्वामित्व और निर्वाचन संबंधित कार्यों को पूर्ण किया जाए और लापरवाही पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

सदर विधायक ने की विकास एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली । सदर विधानसभा क्षेत्र की विधायक अदिति सिंह ने लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन में विभागीय अधिकारियों के साथ विकास



एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक की। बैठक में विधायक ने विभिन्न विभागों द्वारा चला रही योजनाओं, निर्माणाधीन परियोजनाओं एवं जनकल्याण से जुड़े कार्यों की प्रगति रिपोर्ट की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विकास कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण किए जाएं। किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विधायक ने कहा कि शासन की मंशा है कि विकास कार्यों का लाभ समय से जनता तक पहुँचे, इसलिए सभी विभाग समन्वय बनाकर कार्य करें। बैठक के दौरान विधायक ने डूडा, विद्युत व्यवस्था, पेयजल

आपूर्ति, सिंचाई, नगर पालिका आदि से संबंधित परियोजनाओं की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने पर बल दिया। पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित कराने के लिए अधिशासी अभियंता को निर्देश दिए गए। इस अवसर पर एडीएम (प्रशासन) सिद्धार्थ, अधिशासी अभियंता विद्युत विभाग प्रवीण सिंह, परियोजना अधिकारी डूडा शशि कुमार मल्होत्रा, अधिशासी अभियंता सिंचाई (द०) सुशील यादव, अधिशासी अभियंता जल निगम (शहरी) अफजल खान सहित अन्य कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

भारत की आध्यात्मिकता एवं अखण्डता का प्रतीक है ' 'वंदेमातरम' ' : सांसद बहराइच

इन्दिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित हुआ वंदेमातरम का सामूहिक गान उल्लासपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ सामूहिक गान का कार्यक्रम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । देश के स्वतन्त्रता आन्दोलन की चेतना का प्रतीक राष्ट्रवाद के अग्रदूत बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा वर्ष 1875 में रचित राष्ट्रगीत वंदेमातरम के 150 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में इन्दिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम बहराइच में सांसद बहराइच डॉ. आनन्द कुमार गोण्डा, विधायक नानपारा राम निवास वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष बृजेश पाण्डेय, सदर विधायक अनुपमा जायसवाल के प्रतिनिधि शिवम जायसवाल सहित अन्य गणमान्य व संप्रभान्तजन, मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र व अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में वंदेमातरम का सामूहिक गान सम्पन्न हुआ।



इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी राज कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ संजय कुमार, पीडी डीआरडीए मनीष कुमार, जिला कृषि अधिकारी डॉ सुबेदार यादव, डीएसओ नरेन्द्र तिवारी, जिला युवा कल्याण अधिकारी सुशी प्राची पंवार, क्रीडाधिकारी आनन्द कुमार श्रीवास्तव, डीएचईआईओ बृजेश सिंह सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी, महाराज सिंह इण्टर कालेज सहित विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के छात्र, शिक्षक-शिक्षिकाएं, खिलाड़ी व खेल प्रेमी, पुलिस कार्मिक सहित बड़ी संख्या में आमजन ने वंदेमातरम के सामूहिक गान में

सहभागिता की। वंदेमातरम का सामूहिक गान स्टेडियम में मौजूद लोगों के बीच राष्ट्रीय भावना का संचार करने में सफल रहा। इस अवसर पर सांसद डॉ. गोण्डा ने भारत के राष्ट्रगीत वंदेमातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर सभी नागरिकों को बधाई देते हुए कहा कि वंदेमातरम भारत की आध्यात्मिकता, अखण्डता और अपनत्व का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इन्दिरा स्टेडियम में आयोजित सामूहिक गान कार्यक्रम में सम्मिलित होकर मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। डॉ. गोण्डा ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान शरीर में उत्पन्न होने वाली राष्ट्रीय भावना को शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता है। सांसद श्री गोण्डा ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में प्रतिभाग कर रहे युवाओं की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे ही आयोजन नागरिकों में राष्ट्र भावना का संचार करते हैं। उन्होंने राष्ट्रगीत के 150

वर्ष पूर्ण होने पर सम्पूर्ण भारत एवं प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के लिए देश के मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी व प्रदेश के मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के प्रति आभार ज्ञापित किया। इससे पूर्व मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र ने समारोह में शामिल सभी लोगों का स्वागत करते हुए देश के स्वतन्त्रता संग्राम में राष्ट्रगीत व राष्ट्रगान की भूमिका पर विस्तृत प्रकाश डाला। श्री चन्द्र ने कहा कि राष्ट्रगीत व राष्ट्रगान ने सम्पूर्ण देशवासियों को एक सूत्र में पिरो कर दमनकारी अंग्रेजों के विरुद्ध सीसा पिलाई दीवार बन कर खड़े होने का हौसला प्रदान किया, जिससे अंग्रेज शासकों के दांत खट्टे हो गये। सीडीओ ने कहा कि आजादी की प्रेरणा देने वाले इन्ही गीतों के गाने पर आजादी के जाने अनजाने कितने मतवालों को मुकदमों का सामना करना पड़ा। आज उन्हीं के बलिदान का नतीजा है कि हम खुले मैदान में चौड़ी छाती के साथ राष्ट्रगान के कार्यक्रम में शामिल हैं।

डीएम व एसपी ने किया पारले चीनी मिल के पेराई सत्र का शुभारम्भ

पेराई सत्र 2025-2026 में 80 लाख कुण्टल पेराई का लक्ष्य

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने पुलिस अधीक्षक रामनयन सिंह व अन्य अधिकारियों, क्षेत्रीय गणमान्य व संप्रभान्तजनों तथा प्रगतिशील गन्ना कृषकों के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पारले चीनी मिल, परसेण्टी के डोंगा में गन्ना डालकर पेराई सत्र 2025-2026 का शुभारम्भ किया। पेराई सत्र के शुभारम्भ अवसर पर मिल गेट पर पहुंची प्रथम बैलगाड़ी के बैलों की पूजा कर गुड़ खिलाया गया तथा बैल गाड़ी के साथ गन्ना लेकर आये गन्ना कृषकों को माला पहनाकर स्वागत किया व अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर डीएम व एसपी ने गन्ना किसानों और मिल प्रबन्धन को सफल पेराई सत्र के लिए शुभकामनाएं भी दी। डीएम श्री त्रिपाठी ने कहा कि पारले चीनी मिल की स्थापना से क्षेत्रीय कृषकों विशेषकर गन्ना कृषकों की



आर्थिक उन्नति होने से इस क्षेत्र का विकास हुआ है। डीएम ने मिल अधिकारियों व गन्ना कृषकों का आह्वान किया कि एक दूसरे के हितों को सर्वोपरि रखते हुए मिल का संचालन कर पेराई सत्र में नये आयाम स्थापित करें। इस अवसर पर डीएम श्री त्रिपाठी ने कृषकों से अपील की कि फसल अवशेषों व अनाक को खेत में न जलाये बल्कि उसका वैज्ञानिक विधि से निस्तारण के तालिके भूमि की उर्वरा शक्ति बनी रहे। डीएम ने कृषकों से अपील की कि अपने आस-पास स्थापित गो संरक्षण केन्द्रों को पारली व फसल अवशेष दानकर गौ संरक्षण जैसे पुनीत कार्य में भागीदार बनें। उन्होंने मिल अधिकारियों को

निर्देश दिया कि कृषकों को गन्ना मूल्य का भुगतान समय से व सुगमतापूर्वक कराया जाय। चीनी मिल के महप्रबन्धक अनिल सबूजा ने बताया कि सत्र 2025-26 के लिए मिल द्वारा 80 लाख कुण्टल गन्ना पेराई का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कृषकों को गेहूँ की बुवाई में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए मिल के पेराई सत्र का श्रीगणेश कर दिया गया है। श्री सबूजा ने किसानों को सुझाव दिया कि मिल को साफ-सुथरा गन्ना की आपूर्ति करें तथा शरदकालीन बुवाई में अधिक से अधिक क्षेत्रफल में उन्नतशील गन्ना प्रजातियों की बुवाई करें जिससे जहां एक ओर कृषकों को उनकी उपज का अधिक मूल्य प्राप्त होगा वहीं दूसरी ओर चीनी मिल भी निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप गन्ने की पेराई करने में सफल होगी। इस मौके पर उप जिलाधिकारी कैसरगंज अणिलेश कुमार सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी रवि खोखर, कारखाना प्रबंधक अनिल यादव, समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

सम्पादकीय

क्या दूसरे चरण में और भी ज्यादा वोटिंग होगी?

बिहार चुनाव के पहले चरण का मतदान पूरे चुनाव को जलेबी बना रहा है। पिछली बार से करीब 8 फीसदी ज्यादा वोटिंग हुई है। अभी चुनाव आयोग का अंतिम आंकड़ा बाकी है। माना जा रहा है कि 2020 में जहां 57 फीसदी वोटिंग हुई थी इस बार अंतिम आंकड़ा 67 को छू सकता है। वैसे 2020 की इन्हीं सीटों की बात करें तो यह आंकड़ा तब का 46.7 था यानी इस बार जो मतदान हुआ वह इससे 17.96 फीसदी ज्यादा है। तो अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि इतना ज्यादा वोटर किसे निपटाने या किसे बचाने बूथ तक पहुंचा। पहले चरण में कुल 18 जिलों में मतदान हुआ इसमें से 10 जिलों में तो बम्पर वोटिंग हुई लेकिन बाकी 8 जिलों में भी पहले के मुकाबले ज्यादा वोटिंग हुई। इस का मतलब क्या निकाला जाए? एक तर्क यह है कि पूरे बिहार में कोई एक मुद्दा काम करता नजर आ रहा है। दूसरा तर्क यह है कि महिलाओं ने नीतीश कुमार को वोट दिया है। तीसरा तर्क है कि जेन-जी ने तेजस्वी यादव को नौकरी लगने का अग्रिम मिठाई वोट दिया है। कुछ लोग इसे सुनियोजित वोट चोरी से जोड़ रहे हैं। उनका कहना है कि उन जिलों में सबसे ज्यादा वोटिंग हुई हैं जहां सबसे ज्यादा वोट काटे गए थे तो शुरुआत इसी आरोप की पड़ताल से करते हैं। वोट प्रतिशत का बढ़ना एस.आई.आर. के कारण संभव हो सका है। पहली सूची 7.89 करोड़ वोटरों की थी जिसे घटाकर 7.42 करोड़ कर दिया गया। स्वाभाविक है कि एक भी वोट नहीं बढ़ने की सूरत में भी वोट प्रतिशत में इजाफा होना ही है। अब सवाल हो सकता है कि 10 फीसदी वोट एस.आई.आर. के कारण बढ़ा हो लेकिन बाकी का 8-10 फीसदी अतिरिक्त वोट किसका है, किस मुद्दे पर है, किसके खाते में गया है, एन.डी.ए. या महागठबंधन के हिस्से आया है या एन.डी.ए. में नीतीश और महागठबंधन में तेजस्वी के लिए आया है या फिर प्रशांत कुमार (पी.के.) की स्वाजि पार्टी के पास जा रहा है। वैसे पी.के. ने चुनाव का माहौल बनाया और नौकरी, पलायन, आधे-अधूरे विकास जैसे मुद्दों को जोरदार ढंग से सामने रखा। इसके लिए बिहार की जनता पी.के. का शुक्रिया अदा तो करती है लेकिन क्या किंगमेकर की भूमिका में भी लागेगी या 5 साल इंतजार करने को कह रही है। महिला वोटर बड़ी तादाद में निकलीं। क्या मान कर चला जाए कि 10 हजारी योजना काम कर गई। जब तक चुनाव आयोग महिला वोटर का आंकड़ा सामने नहीं रखता तब तक निश्चित रूप से कुछ नहीं कहा जा सकता। वैसे भी अगर पुरुषों के मुकाबले महिलाएं ज्यादा संख्या में निकली हैं तो इसमें हैरानी की बात नहीं है। पिछली बार भी 60 फीसदी महिलाओं ने वोट दिया था जबकि पुरुष वोटर का प्रतिशत 54 ही था। दिलचस्प तथ्य है कि उस समय भी एन.डी.ए. को महागठबंधन के मुकाबले एक फीसदी ज्यादा ही महिला वोट मिला था जबकि महागठबंधन को एन.डी.ए. के मुकाबले दो फीसदी ज्यादा पुरुषों का वोट मिला था। इसका मतलब यह नहीं है कि 2025 में भी 2020 को दोहराया जाएगा लेकिन इतना तय है कि सवा करोड़ महिलाओं के खाते में कुल मिलाकर करीब 12 हजार करोड़ रुपए जमा करना नीतीश कुमार के हक में जरूर जाना ही चाहिए। अगर ऐसा है तो क्या अगली किस्त का एलान दूसरे चरण से पहले हो जाएगा और उसमें ज्यादा से ज्यादा जीविका दीदी को शामिल करने की कोशिश होगी। पहला चरण कुल मिलाकर नीतीश कुमार के नाम रहा है। ऐसा आमतौर पर कहा जा रहा है तो क्या वह एन.डी.ए. के सबसे बड़े दल के रूप में सामने आ सकते हैं। महिलाओं के साथ-साथ युवा वोटरों का उत्साह भी देखा गया। हमें यह बात नहीं भूलनी चाहिए कि बिहार में 18 से 35 साल के युवा वोटरों की संख्या महिला वोटरों से ज्यादा है लेकिन युवा वोटरों में युवतियां भी शामिल हैं।

क्या फिर विवादों में आएगा एसआईआर

बिहार के बाद देश भर में विशेष मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण अभियान या एस.आई.आर. की प्रक्रिया आरंभ हो गई है। चुनाव आयोग ने भले बिहार में एस.आई.आर. हर दृष्टि से सफलतापूर्वक सम्पन्न किया और उसके आधार पर विधानसभा चुनाव भी हो रहा है पर इसका यह अर्थ नहीं कि विरोधी इसे स्वीकार कर खामोश रहेंगे। 12 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में 28 अक्तूबर से 7 फरवरी तक चलने वाले एस.आई.आर. को लगातार विवादों में लाया जाएगा। ध्यान रखिए, जिन 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में गहन पुनरीक्षण अभियान हो रहा है उनमें अगले 3 वर्षों के अंदर विधानसभा चुनाव होने हैं। पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, पुद्दुच्चेरी में विधानसभा चुनाव 2026 में, गोवा, गुजरात, उत्तर प्रदेश में 2027 में और छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान में विधानसभा चुनाव 2028 में हैं। इसी में अंडमान निकोबार व लक्षद्वीप केंद्र शासित प्रदेश हैं। अगले वर्ष असम में भी चुनाव हैं जबकि उसे शामिल नहीं किया गया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का स्पष्टीकरण है कि भारतीय नागरिकता कानून में असम के लिए अलग प्रावधान है। उच्चतम न्यायालय की देखरेख में वहां नागरिकता की जांच लगभग पूरी होने वाली है। इसलिए असम के लिए अलग से संशोधन के आदेश जारी किए जाएंगे। भाजपा और उसके कुछ साथी दलों को छोड़कर अनेक विरोधी चुनाव आयोग को निशाना बनाएंगे और संभव है फिर यह मामला न्यायालय में जाए। हालांकि उच्चतम न्यायालय ने

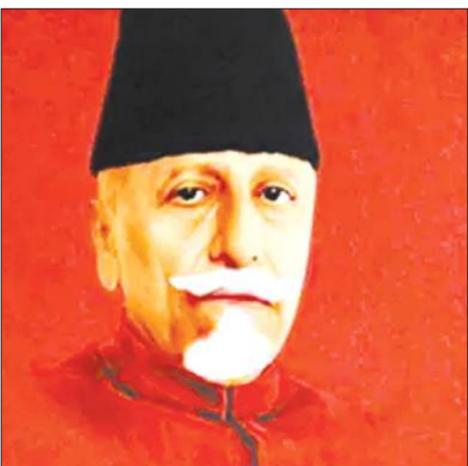
सोच विचार

मौलाना ने कभी नहीं चाहा देश का बंटवारा

मौलाना अब्दुल कलाम आजाद जयंती अवसर पर

भारत की स्वतंत्रता और भारत की सेवा करने वालों में मौलाना अबुल कलाम आजाद का नाम प्रमुख है। सन 1857 की जंग आजादी में उनके पिता भी एक सेनानी थे। उस समय उनकी गतिविधियों को देखकर अंग्रेज सरकार बौखला उठी और उनके ऊपर अपने अत्याचारों का शिकंजा कस दिया। उस आफत से बचने के लिए वे दिल्ली छोड़कर अरब स्थित मक्का में चले गए। वहीं सन 1888 में मौलाना आजाद का जन्म हुआ। उनकी सारी तालीम कुछ तो अपने वालिद के कदमों में हुई और कुछ पुराने तर्ज के संकतबों और मदर्सों में हुई। उच्च शिक्षा काहिरा की अल अजहर विश्वविद्यालय में ग्रहण किया। छोटी उम्र में ही मौलाना आजाद ने पश्चिम एशिया के कई देशों में जाने का अवसर प्राप्त किया। उन दिनों सारे एशिया में कौमी आजादी की जबरदस्त लहरें उठ रही थी। होनहार कलाम आजाद की खोजी और पवित्र आत्मा पर इसका बहुत गहरा प्रभाव पड़ा। यही प्रभाव उनके भारत आने के पश्चात पूरी तरह से मुखरित हुआ। मौलाना के दादा मौलाना मुहम्मद शाह दानी के उस्ताद और पीर थे। इनके पिता मौलाना मोहम्मद खैरुद्दीन मक्के से लौटकर कुछ दिन बंबई में रहने के पश्चात कलकत्ता जाकर बस गए। सन 1908 में उनकी मृत्यु हो गई। मौलाना आजाद बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के थे। फिर ऊपर से उच्च शिक्षा और अनेक देशों में घूमकर प्राप्त किया अनुभव का ज्ञान उनकी सोच एवं विचार को बहुत परिरकृत एवं प्रभावित कर गया था। वे अंग्रेजी, फारसी, अरबी, उर्दू हिंदी की जुबान फरटि से बोलते थे। आजाद ने पूरब और पश्चिम की दोनों धाराओं को खूब गहरे देखा समझा था, जिसके फलस्वरुप दोनों के मिश्रण से उन्होंने दोनों सभ्यताओं के मंथन पश्चात कई नए विचारें क्रा प्रतिपादन किया। मौलाना ने अपने विचारों को सामान्य जन तक पहुंचाने के लिए सबसे पहले एक साप्ताहिक अखबार "लिसानुल हक" निकाला। जिसका मतलब है सत्य की आवाज इस अखबार ने लोगों के दिलो पर अबुल कलाम आजाद का सिक्का बिटा दिया। मौलाना ने ही देश की स्वतंत्रता की धारा से कटे ओर अलग थलग रहने वाले मुसलिम समुदाय को सियासी हलचलों में जोड़ने की अहम भूमिका निभाई। यह सब देखकर अंग्रेजों के कान एकदम खड़े हो गए। और उन्होंने भी कूटनीतिक चाले चलनी शुरु कर दी। फूट डालो और राज करो की नीति के तहत उन्होंने मुसलमानों को हिंदुओं के खिलाफ भड़काना शुरु कर दिया। अंग्रेज अपने मतव्य में एक हद तक सफल भी हो गए पर धीरे-धीरे दोनों समुदाय के लोगों को यह अच्छी तरह से समझ में आ गया कि हमारे एक रहने में ही सभी की भलाई है। अबुल कलाम जैसे युवको की समिति ने इस प्रकार के जन जागरण में महति भूमिका का निर्वहन - किया। कलाम ने अपने उर्दू अखबार ''अल हिलाल'' के संपादकीय लेखों में निडरता के साथ देश की आजादी पर खुले आम आग उगला। इसका भारतीय मुसलमानों के दिलों और दिमाग पर गहरा और जबरदस्त असर पड़ा। नतीजा यह हुआ कि अलीगढ़, की फिर के वारंाना इमारत का सारा ढांचा यहां तक की उसकी जड़ें तक हिल गई। उस इमारत की रक्षा करने वाले अंग्रेजों को डर सताने लगा कि उनकी सारी मेहनत मिट्टी में न मिल जाए, तब अंग्रेजों ने उन्हें पूरे चार वर्ष तक रांची में नजरबंद कर दिया। महात्मा गांधी ने इसी समय अहिंसात्मक असहयोग को भारत की आजादी का जरिया बताकर उसे देशवासियों के सामने पेश किया। तब मौलाना आजाद और गांधी ने मिलकर देश की आजादी के लिए काम करने का फैसला किया और उस समय से लेकर जिंदगी के अंत तक मिलकर काम करते रहे। अंग्रेजों के अत्याचार और मुस्लिम लोगों के खिलाफत करने के बावजूद वे थोड़ा भी - अपने पथ से विचलित नहीं हुए। देश की आजादी के खतरों और कांटों से भरे रास्ते, पर चलते रहने का उनके दिल के अंदर अटल संकल्प था। इस दृढ़ विश्वास

उच्च शिक्षा काहिरा की अल अजहर विश्वविद्यालय में ग्रहण किया। छोटी उम्र में ही मौलाना आजाद ने पश्चिम एशिया के कई देशों में जाने का अवसर प्राप्त किया। उन दिनों सारे एशिया में कौमी आजादी की जबरदस्त लहरें उठ रही थी। होनहार कलाम आजाद की खोजी और पवित्र आत्मा पर इसका बहुत गहरा प्रभाव पड़ा। यही प्रभाव उनके भारत आने के पश्चात पूरी तरह से मुखरित हुआ। मौलाना के दादा मौलाना मुहम्मद शाह दानी के उस्ताद और पीर थे। इनके पिता मौलाना मोहम्मद खैरुद्दीन मक्के से लौटकर कुछ दिन बंबई में रहने के पश्चात कलकत्ता जाकर बस गए। सन 1908 में उनकी मृत्यु हो गई। मौलाना आजाद बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के थे। फिर ऊपर से उच्च शिक्षा और अनेक देशों में घूमकर प्राप्त किया अनुभव का ज्ञान उनकी सोच एवं विचार को बहुत परिरकृत एवं प्रभावित कर गया था। वे अंग्रेजी, फारसी, अरबी, उर्दू हिंदी की जुबान फरटि से बोलते थे। आजाद ने पूरब और पश्चिम की दोनों धाराओं को खूब गहरे देखा समझा था, जिसके फलस्वरुप दोनों के मिश्रण से उन्होंने दोनों सभ्यताओं के मंथन पश्चात कई नए विचारें क्रा प्रतिपादन किया। मौलाना ने अपने विचारों को सामान्य जन तक पहुंचाने के लिए सबसे पहले एक साप्ताहिक अखबार "लिसानुल हक" निकाला। जिसका मतलब है सत्य की आवाज इस अखबार ने लोगों के दिलो पर अबुल कलाम आजाद का सिक्का बिटा दिया। मौलाना ने ही देश की स्वतंत्रता की धारा से कटे ओर अलग थलग रहने वाले मुसलिम समुदाय को सियासी हलचलों में जोड़ने की अहम भूमिका निभाई। यह सब देखकर अंग्रेजों के कान एकदम खड़े हो गए। और उन्होंने भी कूटनीतिक चाले चलनी शुरु कर दी। फूट डालो और राज करो की नीति के तहत उन्होंने मुसलमानों को हिंदुओं के खिलाफ भड़काना शुरु कर दिया। अंग्रेज अपने मतव्य में एक हद तक सफल भी हो गए पर धीरे-धीरे दोनों समुदाय के लोगों को यह अच्छी तरह से समझ में आ गया कि हमारे एक रहने में ही सभी की भलाई है। अबुल कलाम जैसे युवको की समिति ने इस प्रकार के जन जागरण में महति भूमिका का निर्वहन - किया।



और इस संकल्प से ही मौलाना आजाद की महानता का सबूत मिलता है। मौलाना आजाद के दृढ़ इरादों को तोड़ने के तरह तरह के हथकंडे अपनाए गए अत्याचार एवं दमन कार्यवाही को झड़ी लगा दी गई। पर फिर भी अंग्रेज

सेहत मंत्र

दिमाग को खोखला कर देते हैं फूलगोभी और पत्तागोभी के कीड़े

स्वस्थ रहने के लिए ताजी हरी सब्जियों का सेवन बहुत फायदेमंद होता है लेकिन कुछ सब्जियां ऐसी भी हैं, जोकि आपकी सेहत के लिए खतरा बन सकती हैं। जी हां, हाल ही में हुए रिसर्च के मुताबिक फूलगोभी और पत्तागोभी जैसी सब्जियां दिमाग को नुकसान पहुंचा रही हैं। दरअसल, इन सब्जियों में ऐसे कीड़े होते हैं, जोकि सब्जियां पकाने पर भी नहीं मरते और दिमाग में जाकर गंभीर बीमारी का खतरा पैदा करते हैं। इन सब्जियों में होते हैं हरे रंग के कीड़े-शोध में सामने आया है कि इन दो सब्जियों में ‘टैपवार्म’ (हरे रंग के कीड़े) पाए जाते हैं, जिन्हें आप ना चाहते हुए भी सब्जी के साथ पकाकर खा जाते हैं। यह कीड़े सब्जियों को धोने या पकाने पर भी नहीं जाते। यह जीवाणु अधिक से अधिक तापमान को भी सहन कर सकते हैं, जोकि खाना पकाने और शरीर में जाने के बाद भी खत्म नहीं होते। यह धीरे-धीरे दिमाग तक पहुंच जाते हैं और गंभीर बीमारियों का

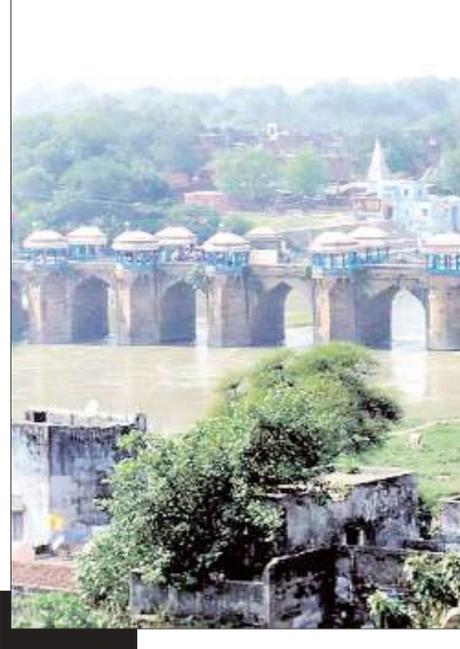
खतरा पैदा करते हैं। दिमाग तक ऐसे पहुंचते हैं ये कीड़े- टैपवार्म नामक यह कीड़ा सब्जियों में चिपका होता है। साधारण आंखों से पकड़ में ना आने वाला यह कीड़ा पेट में जाने के बाद रक्त-वाहिका के रास्ते दिमाग तक पहुंच जाता है। दिमाग को खोखला कर देते हैं ये कीड़े- ये कीड़े पेट में जाकर अंतड़ियों के साथ चिपक जाते हैं और अंडे बनाना शुरु कर देते हैं। इन अंडों से निकलने वाले जीवाणु रक्त वाहिका में बहते हुए दिमाग तक पहुंच जाते हैं और धीरे-धीरे ब्रेन को खोखला कर देते हैं। इसके कारण बर्दाश्त ना होने वाला सिर दर्द, मिर्गी के दौरा और मौत का रिक्रम बढ़ जाता है। टैपवार्म के असर का पहला स्ट्रेज- इसकी पहली स्ट्रेज में असहनीय दर्द का सामना करना पड़ता है। इससे होने वाला सिरदर्द इतना तेज होता है कि दवाई लेने पर भी नहीं जाता। टैपवार्म के असर का दूसरा स्ट्रेज- इसके दूसरे स्ट्रेज में आपको मिर्गी या ब्रेन स्टोक हो सकता है क्योंकि यह कीड़े दिमाग में जाकर चिपक जाते हैं।

रंग-बिरंगी विरासत का शानदार नमूना है जौनपुर

गंगा-जमुनी तहजीब की खूबसूरतता में गंगा-जमुनी संस्कृति की तहजीब लिए शहरों की कमी नहीं। ऐसा ही एक शहर है जौनपुर। यहां आप देश की विविध संस्कृति और इसकी रंग-बिरंगी विरासत का शानदार नमूना देख सकते हैं। जौनपुर शहर अत्यंत प्राचीन है और देश की गंगा-जमुनी तहजीब के कायल हैं तो यहां की आबोहवा खूब लुभाएगी। चौदहवीं सदी के दौरान शर्की शासनकाल में तो जौनपुर शहर सल्तनत का स्वर्णकाल रहा। इस दौरान यहां शानदार निर्माण कार्य हुए। जिन-जिन शासकों को आप इतिहास की किताब में पढ़ें होंगे, उनमें से कई प्रमुख शासकों का ताल्लुक इस शहर से रहा है। शेराशाह सूरी की शिक्षा-दीक्षा तो यहीं के तालीमी इंदर में हुई थी। मुगल बादशाह अकबर महान ने स्वयं यहां आकर शाही पुल के निर्माण का आदेश दिया तो सिखों के नौवें धर्मगुरु गुरु तेग बहादुर सिंह की यह तपोस्थली भी रहा है यह शहर। यहां आने के बाद आप खुद पाएंगे यह विरासतों का शहर है। एक ऐतिहासिक शहर है, जहां के कण-कण में देश की संस्कृति की खूबसूरतता है। दिल्ली व कोलकाता के बीचोबीच स्थित

है यह शहर। कहते हैं इस भूभाग पर सल्तत मां सरस्वती की कृपा बरसती है। यहां कला के पुजारी, साधक रहे और अपनी कलात्मक दृष्टि से इस शहर को सजाया-संवारा। अमन की धरती है यह, जिसे वैदिक कालीन, बौद्ध, सल्तनत, मुगल काल से लेकर शर्की काल में भी शिक्षा के प्रमुख मकज के रूप में दुनिया में पहचान मिली है। शर्की शासन 14वीं सदी में इब्राहिम शाह शर्की, महमूद शाह शर्की व हुसैन शाह शर्की के शासनकाल में उत्तर प्रदेश, बिहार, नेपाल की तराई के भूभाग, असम के तिरहुत, उड़ीसा, म्यालियर तक का भूभाग जौनपुर साम्राज्य के अधीन रहा है। महर्षि परशुराम के पिता यमदग्नि ऋषि की तपस्थली यहां जौनपुर जिला मुख्यालय से महज पांच किलोमीटर पूरब में स्थित है। किंवदंतियों के अनुसार उनसे मिलने यहां स्वयं भगवान राम आए थे। पितृ भक्त परशुराम ने पिता की आज्ञा पाकर मां रेणुका का सिर यहीं धड़ से अलग कर दिया था। हालांकि ऋषि यमदग्नि ने अपने तपबल से पुनः रेणुका को जीवित कर दिया था। महर्षि यमदग्नि के ही नाम पर प्रांभ में इस जन्पद का नाम यमदग्निपुर पड़ा, जो कालांतर में जौनपुर के नाम से जाना गया। ऋषि यमदग्नि का आश्रम व श्रुती है। दिल्ली व कोलकाता के बीचोबीच स्थित

पर्यटन



धर्म मंत्र

बृहस्पतिवार को पांच चीजों से करें गुरु बृहस्पति को प्रसन्न

बृहस्पतिवार के दिन भगवान विष्णु और साई बाबा का दिन माना जाता है। मान्यता है कि भगवान विष्णु और साई बाबा दोनों को ही पीला रंग पसंद है। ज्योतिषों के अनुसार सभी ग्रहों की तुलना में आकार में बड़ा ग्रह बृहस्पति एक शुभ ग्रह है। यह दूसरे सभी ग्रहों का गुरु भी कहा जाता है। बृहस्पतिवार के दिन पूजा में पीले फूल, हत्दी, पीला अनाज शामिल करना अनिवार्य होता है। इससे भगवान बृहस्पति काफी जल्दी प्रसन्न होते हैं। वह भक्तों की हर मुराद पूरी करते हैं। इसके साथ ही जानें और कौन सी चीजें हैं जिनके प्रयोग से बृहस्पति को खुश किया जा सकता है।
बृहस्पति की प्रिय पांच चीजें:-
फूल– ज्योतिष के अनुसार देव गुरु बृहस्पति का स्थान सवौंच है, इसीलिए उनका ग्रहों में उनका प्रथम स्थान है। उनके प्रिय फूल है जारपीन उनकी पूजा में इस पुष्प के प्रयोग से वे अत्यंत प्रसन्न होते हैं।
पीला रंग– इस दिन पीले रंग को खाने और पहनने की चीजों में शामिल किया जाए तो कई लाभ होते हैं। इस दिन पीले रंग की मिठाई जरूर खाएं। इससे स्वास्थ्य अच्छा होगा। आर्थिक स्थिति अच्छी होगी और सफलता मिलेगी।
बुद्धि भी तेजी से विकसित होती है। समाज में पद प्रतिष्ठा बढ़ती है।
जिन युवक युवतियों की शादी में रुकावट आ रही है। उन्हें पीले रंग का आभूषण व कपड़ा पहनने से लाभ होगा।
चने की दाल– बृहस्पति की पूजा में चने की दाल का अत्यंत महत्व होता है। इस दिन चने की दाल और चावल को मिला कर चढ़ाने और उसकी खिचड़ी का भोग लगाने और प्रसाद खाने से पुण्य मिलेगा।
पीला सफायर– बहुमूल्य हीरे, जवाहारतों में पीला सफायर बृहस्पति का प्रिय है। इस दिन इसे धारण करने सुख समृद्धि मेंवृद्धि होती है।
प्रिय धातु– बृहस्पति वार को गुरु की प्रसन्नता के लिए सोने, तांबे और कांसे की धातुओं का दान और खरीद को शुभ माना जाता है।

दुर्लभ घटना : गाय ने तीन बच्चों को दिया जन्म

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मसौली बाराबंकी। मसौली ब्लाक की ग्राम पंचायत गुरेला गांव में राजेश मिश्रा पुत्र स्व0 छबिलाल की गाय ने एक साथ तीन बच्चों को जन्म दिया। ये मामला गांव के साथ ही आसपास के क्षेत्र के लिए भी कौतूहल का विषय बना है। लोग न केवल गाय और उसके तीन बच्चों को देखने उमड़ रहे हैं बल्कि गुड़ आदि भी खिलाकर गोसेवा का पुण्य प्राप्त कर रहे हैं। पशु चिकित्सा विज्ञानी इसे दुर्लभ मामला मान रहे हैं। चिकित्सकों को कहना है कि दो बच्चों के होने के मामले तो सामने आते रहते हैं लेकिन एक साथ तीन बच्चे होना वाकई दुर्लभ मामला है।

गुरेला गांव निवासी राजेश मिश्रा के घर में काफी समय से गाय पाली जाती है सोमवार को उनकी देशी नस्ल की गाय ने



एक-एक कर तीन बच्चों को जन्म दिया तो उनके परिवार के लोगों का आश्चर्य का ठिकाना न रहा। तीनों बच्चे और गाय पूरी तरह स्वस्थ हैं और लोग देखने पहुंच रहे हैं। परिवार के सभी लोग गाय बच्चों की देखरेख में लगे हैं। राजेश मिश्रा बहुत निरर्धन है खेती योग्य भूमि भी नहीं है उन्होंने

बताया कि अब उनके पास एक गाय दो बछड़ा बछिया भी हैं। न्यूचरल गर्भाधान से हुआ है।

क्या कहते हैं डॉक्टर

पशुपालन विभाग के पशु चिकित्साधिकारी डॉ0 संजीव कुमार का

कहना है कि गाय का एक साथ तीन बच्चों को जन्म देना एक दुर्लभ घटना है, यह एक आश्चर्यजनक और खुशी की खबर मानी जाती है एक साथ तीन बच्चों को जन्म देना एक असामान्य घटना है, और यह तभी होता है जब गर्भाधान के दौरान भ्रूण के कोशिकाएं विभाजित हो जाती हैं और अलग-अलग बच्चे बन जाते हैं। उन्होंने बताया कि सामान्य तौर पर एक बार में गाय एक ही एग रिलीज करती है, जिसे स्पर्म डिफ्यूज करता है। इससे एक बच्चे का जन्म होता है लेकिन कभी-कभी एग में विखंडन हो जाता है और गर्भ में दो या तीन बच्चों का विकास हो जाता है। अब तक दो बच्चे होना तो सामान्य मामला था लेकिन तीन बच्चे होना अपने आप में दुर्लभ मामला है। इसे दिखवाया जाएगा और बच्चों एग गाय के स्वास्थ्य के लिए दवाए उपलब्ध करायी जाएंगी।

तीन दबंगों ने एक युवक को दौड़ा-दौड़ कर पीटा, मुकदमा दर्ज, पुलिस जांच में जुटी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सिद्धौर। कोठी थाना क्षेत्र के उस्मानपुर गांव में सोमवार को मामूली बात पर ऐसा हंगामा हुआ कि पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। गांव के ही कुछ दबंगों ने एक युवक को बीच सड़क पर डंडों और लोहे की रॉड से बेरहमी से पीटा दिया। बताया जा रहा है कि युवक को दौड़ा-दौड़ाकर मारा गया - वह किसी तरह अपनी जान बचाकर भाग सका। मामला सार्वजनिक श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन से जुड़ा है। कार्यक्रम की होडिंग में गांव के सोहित यादव की फोटो छाप दी गई थी, जबकि उसने पहले ही मना किया था। जब होडिंग लगाई गई, तो सोहित ने गुस्से में जाकर अपना फोटो काट दिया। बस यही बात गांव के दबंग जो अपने आप को भाजपा नेता कहता है सुभाष यादव को नागवार गुजरी, और दोनों के बीच कहासुनी हो गई। चार दिन बाद जब सोहित बाइक से घर लौट रहा था, तभी



सुभाष अपने भाइयों भानु प्रकाश और अंकुल के साथ रास्ते में घात लगाकर बैठा मिला। तीनों ने मिलकर सोहित की बाइक गिरा दी और लोहे की रॉड व डंडों से चुरी तरह पीटाई कर दी। जब तक गांव वाले मौके पर पहुंचे, आरोपी जान से

मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। गांव में इस घटना को लेकर जबरदस्त आक्रोश है। ग्रामीणों का आरोप है कि कोठी थाने की पुलिस ने पहले तो घायल युवक का मेडिकल तक नहीं कराया, और जब मामला बढ़ने लगा तो आनन-फानन में दोनों पक्षों के खिलाफ शांति भंग की कार्रवाई कर दी। लोगों में चर्चा है कि इस पूरे प्रकरण में पुलिस की भूमिका भी संदिग्ध नजर आ रही है। वहीं थाना प्रभारी अमित सिंह भदौरिया क कहना है कि दोनों पक्षों में मामूली कहा सुनी हुई है किसी को किसी प्रकार की चोट नहीं आई है तस्वीरों में घायल युवा की तस्वीर देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि युवक की किस तरह पीटाई हुई है थाना प्रभारी अमित सिंह भदौरिया का कहना है कि छद्म दोनों पक्षों के बीच शांति भंग की कार्रवाई की गई है। हालांकि ग्रामीण पुलिस की इस कार्रवाई से नाराज हैं और निम्न जांच की मांग कर रहे हैं।

76.13 करोड़ से बनेगा दो लेन का ओवरब्रिज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामनगर, बाराबंकी। लखनऊ-बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग-927 पर बढ़ते ट्रैफिक दबाव को कम करने के उद्देश्य से चौकाघाट रेलवे स्टेशन के समीप 76.13 करोड़ की लागत से दो लेन का ऊपरगामी सेतु निर्माण प्रस्तावित है। यह सेतु गण्डा-लखनऊ रेल सेक्शन के चौकाघाट से बुदवल जंक्शन के बीच स्थित होगा। परियोजना के प्रथम चरण में यूटिलिटी शिफ्टिंग कार्य शुरू कर दिया गया है। इस कार्य के लिए यूपीपीसीएल ने 210 लाख का एस्टीमेट तैयार किया है। सेतु निर्माण के इंजीनियर मनीष सिंह ने बताया कि सभी आवश्यक स्वीकृतियां मिलते ही सेतु निर्माण औपचारिक रूप से शुरू कर दिया जाएगा। करीब 900 मीटर लंबा यह ओवरब्रिज दो वर्षों में पूरा होने की

यूटिलिटी शिफ्टिंग कार्य शुरू, दो वर्षों में मिलेगा जाम से छुटकारा



संभावना है। इसके बन जाने से रेलवे क्रांशियर और हाईवे दोनों पर लगने वाला जाम समाप्त होगा तथा स्थानीय निवासियों और राहगीरों को राहत मिलेगी। साथ ही आवश्यक स्वीकृतियां मिलते ही सेतु निर्माण औपचारिक रूप से शुरू कर दिया जाएगा। करीब 900 मीटर लंबा यह ओवरब्रिज दो वर्षों में पूरा होने की

भय कलश यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब



कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामनगर बाराबंकी। मनोहारी भय कलश यात्रा निकालकर सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ किया गया। ज्ञात हो कि नगर पंचायत रामनगर के मोहल्ला धमेडी में त्रिवेणी दत्त मिश्रा द्वारा अपने पिता स्वर्गीय श्याम सुंदर मिश्रा एवं स्वर्गीय कृष्णावती मिश्रा की पुण्य स्मृति व चार धाम की यात्रा सकुशल संपन्न होने पर सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत

कथा का आयोजन किया गया है। आज सोमवार को त्रिवेणी दत्त मिश्रा बच्चन धर्म पत्नी मिथलेश सुपुत्र नीरज मिश्रा रजत मिश्रा की अगुवाई में सैकड़ों महिलाएं व पुरुष कथा स्थल से सर पर कलश रखकर कस्बे का भ्रमण करते हुए हनुमान मंदिर पक्का तालाब पहुंचे जहां पर सरोवर का पवित्र जल भरकर गायत्री शक्तिपीठ होते हुए कथा स्थल पर पहुंचे जहां कथा व्यास अखिलेश जी महाराज श्री नारायण आश्रम वृंदावन धाम मथुरा द्वारा

वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विध विधान के साथ कलश की स्थापना करारक भागवत कथा का शुभारंभ किया। यह कथा अनवरत 7 दिन चलकर 17 नवंबर को पूर्ण आहुति एवं विशाल भंडारे के साथ समाप्त होगी। इस कलश यात्रा में अनिल दत्त मिश्रा रवि दत्त नीरज मिश्रा विशाल मिश्रा शिखर सिंघेरा राजा शिवम डब्लू रोहित प्रभात विपिन विकास सहित सैकड़ों महिलाएं व पुरुष तथा पुलिस बल मौजूद रहा।

योगी जल्द करेंगे सिंगापुर और जापान में रोड शो

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक बार फिर वैश्विक निवेश आकर्षित करने की तैयारी में हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री जल्द ही सिंगापुर और जापान में निवेश के लिए रोड शो का नेतृत्व करेंगे। अधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि योगी का यह दौरा राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी अंतरराष्ट्रीय निवेश योजना का हिस्सा है, जिसके तहत प्रदेश को विदेशी निवेशकों के लिए पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री पहले सिंगापुर और बाद में जापान में रोड शो करेंगे। इस दौरान वह दोनों देशों के शीर्ष औद्योगिक समूहों, निवेशकों और कारोबारी संगठनों से मुलाकात करेंगे और उत्तर प्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। 'इन्वेस्ट यूपी' ने मुख्यमंत्री की यात्रा को सफल बनाने के लिए विस्तृत ब्रूडिंट तैयार किया है। इस मिशन के तहत मुख्यमंत्री की यात्रा से पहले पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल सिंगापुर और जापान जाएगा, जो संभावित निवेशकों, बिजनेस हाउस और चैंबर ऑफ कॉमर्स से प्रारंभिक चर्चा करेगा। टीम दो दिन सिंगापुर और तीन दिन टोक्यो में रहेगी और अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी, जिसके आधार पर मुख्यमंत्री की यात्रा की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जाएगा।

इन्वेस्ट यूपी के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी शशांक चौधरी को मुख्यमंत्री की इन यात्राओं को सफल बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री के साथ वरिष्ठ मंत्री भी इस उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होंगे। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने बताया कि राज्य सरकार विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए वैश्विक साझेदारियों को लगातार मजबूत कर रही है। उन्होंने कहा, एमएचएमटी योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को विश्व स्तर पर एक प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में विकसित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, राज्य सरकार ताइवान, जर्मनी, फ्रांस, सिंगापुर, रूस, जापान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में भी निवेश रोड शो आयोजित करने की योजना पर काम कर रही है। इन्वेस्ट यूपी ने इन सभी देशों के लिए एक समर्पित फॉरेन डेस्क भी स्थापित किया है ताकि निवेश से जुड़ी गतिविधियों का समन्वय सुचारू रूप से किया जा सके। सरकार का फोकस सेमीकंडक्टर, टेक्सटाइल, ऑटोमोबाइल इंटेलिजेंस, रक्षा, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिक व्हीकल, पर्यटन, कैमिकल, एंजिनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल, इलेक्ट्रिकल, टेक्नोलॉजी, रियूएबल एनर्जी, कंप्यूटर इक्विपमेंट, मशीनरी, गैस और शिफ्टबिल्डिंग जैसे क्षेत्रों में विदेशी कंपनियों को निवेश के लिए आकर्षित करने पर है।

ट्रैक्टर पलटने से किसान की मौत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

दरियाबाद बाराबंकी कोतवाली क्षेत्र में सोमवार की शाम एक दर्दनाक हादसा हुआ जिसमें ट्रैक्टर के नीचे दबकर एक किसान की मौत हो गई। दनापुर क्याम्पूर निवासी 40 वर्षीय विनोद गौतम पुत्र राम जियावन गौतम ने सोमवार सुबह ही सेकेंड हैंड ट्रैक्टर खरीदा था। नए ट्रैक्टर की खुशी इतनी थी कि विनोद ने गांव लौटते ही मिटाई बांटर अपनी खुशी सभी के साथ साझा की। गांव के लोग बताते हैं कि सुबह-सुबह विनोद की चेहरे पर अलग ही खुशी झलक रही थी। वह लंबे समय से ट्रैक्टर खरीदने का सपना देख रहे थे, जो आखिरकार पूरा हुआ था। लेकिन किस्मत को शायद कुछ और ही मंजूर था। शाम को विनोद अपने नए ट्रैक्टर से खेत जुताई करने जा रहे थे। जैसे ही वह नहर की पटरी के पास पहुंचे, अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पटरी से नीचे गहरी खाई में जा गिरा। हादसा इतना तेज था कि विनोद ट्रैक्टर के नीचे दब गए। आसपास खेतों में काम कर रहे किसान और ग्रामीण शोर सुनकर मौके पर

नए खरीदे ट्रैक्टर की खुशी मातम में बदली

सुबह गांव में लड्डू बाँटे, शाम होते-होते संपूर्ण गांव शोक में डूबा

तीन बेटों-पांच बेटियों के पिता विनोद गौतम की असमय मौत से परिवार में कोहराम



दौड़े। उन्होंने किसी तरह ट्रैक्टर हटाने और विनोद को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। विनोद की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना मिलने पर दरियाबाद तेज था कि विनोद ट्रैक्टर के नीचे दब गए। आसपास खेतों में काम कर रहे किसान और ग्रामीण शोर सुनकर मौके पर

विनोद गौतम अपने पीछे तीन पुत्र और पांच पुत्रियां छोड़ गए हैं। इनमें से दो बेटियों और एक बेटे की शादी हो चुकी है। अचानक हुए इस हादसे ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। गांव में भी मातम पसरा हुआ है। सुबह तक जहां विनोद के नए ट्रैक्टर की खुशी पूरे गांव में भेज दिया। परिजनों के अनुसार, मृतक

खुशी मातम में बदल गई। पड़ोसियों ने बताया कि 'सुबह हंसी-खुशी लड्डू बाँटे रहे थे, किसे पता था कि कुछ ही घंटों में ऐसा भयानक हादसा हो जाएगा।' गांव में हर तरफ शोक और गम का माहौल है। लोग विनोद की सरलता और मेहनती स्वभाव की चर्चा करते हुए उन्हें नम आंखों से याद कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश बनेगा 2027 में प्रयोगशाला, 2029 तय करेगा वैश्विक नेतृत्व की दिशा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। भारत की राजनीति अब सिर्फ देश की सीमाओं में सीमित नहीं रही। हालिया घटनाक्रम और सत्ता के बदलते समीकरणों ने इसे विश्व राजनीति का अध्ययन बिंदु बना दिया है। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि भारत में उभर रही नई राजनीतिक चेतना अब 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव और 2029 के लोकसभा चुनाव की दिशा और दशा तय करेगी। शिकागो में रहने वाले अग्रवासी भारतीय प्रो.विशंकर पाठक ने बताया कि दुनिया की निगाह अब भारत पर है, जहां लोकतंत्र सिर्फ एक प्रणाली नहीं, बल्कि जनभागीदारी की ताकत के रूप में विकसित हो रहा है। पिछले एक दशक में योजनाओं, जनकल्याण, डिजिटल कनेक्टिविटी और युवाओं की भूमिका ने राजनीति की परिभाषा ही बदल दी है।

अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जापान के राजनीतिक विश्लेषक भारत को 21वीं सदी का लोकतांत्रिक प्रयोगशाला कह रहे हैं। उनका मानना है कि भारत में जिस तरह जनता योजनाओं से सीधे जुड़ रही है, वह

नए सामाजिक समीकरणों के अनुरूप अपनी रणनीतियां गढ़ रही राजनीतिक पार्टियां, भारत मॉडल ऑफ डेमोक्रेसी 2.0: 2029 का चुनाव बनेगा वैश्विक नेतृत्व की कसौटी

लोकतंत्र का भारतीय मॉडल विश्व मंच पर चमका, भारत का लोकतंत्र दुनिया के लिए उदाहरण, राजनीति में जवाबदेही नई ताकत

दुनिया के कई लोकतांत्रिक देशों के लिए प्रेरक मॉडल बन गया है। राजनीतिक विश्लेषक प्रो. आनन्द शंकर सिंह मानते हैं कि 2027 का उत्तर प्रदेश चुनाव केवल एक राज्य का नहीं रहेगा, बल्कि वह 2029 के लोकसभा चुनाव की पूर्वपीठिका साबित होगा। यूपी की जनता जिस दिशा में झुकेगी, वही दिशा राष्ट्रीय राजनीति का भविष्य तय करेगी।

भारत का सबसे बड़ा राज्य उत्तर प्रदेश अब राष्ट्रीय राजनीति का केंद्र बन चुका है। 2027 के विधानसभा चुनाव में युवाओं, महिलाओं और नए मतदाताओं की निर्णायक भूमिका होगी। धार्मिक, जातीय और विकास के मुद्दों की जगह अब रोजगार, टेक्नोलॉजी और शासन-प्रदर्शन केंद्र में आ रहे हैं। भाजपा, सपा, कांग्रेस

और बसपा जैसे पार्टियां अपनी रणनीतियां नए सामाजिक समीकरणों के अनुरूप गढ़ रही हैं। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि 2027 यूपी चुनाव का नतीजा सीधे 2029 लोकसभा की दिशा तय करेगा। यदि जनता विकास और स्थिरता के पक्ष में जाती है तो केंद्र में वही रझान मजबूत रहेगा।

प्रो. राकेश तिवारी की मानें तो इस दशक का सबसे बड़ा बदलाव यह है कि जनता अब सिर्फ दर्शक नहीं, बल्कि निर्णायक शक्ति बन चुकी है। सोशल मीडिया पर युवा पीढ़ी अब अपनी राय और असंतोखे खुले तौर पर रख रही है। नीतियों पर सीधा संवाद और डिजिटल भागीदारी से राजनीतिक जवाबदेही बढ़ी है। महिला मतदाता अब 'सेक्रेट वोटर' के रूप में चुनाव परिणामों को प्रभावित कर रही हैं।



उन्होंने कहा कि 2029 का लोकसभा चुनाव सिर्फ भारत नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति की दिशा तय करेगा। भारत की अर्थव्यवस्था, विदेश नीति, रक्षा और टेक्नोलॉजी में बढ़ती भूमिका ने दुनिया का ध्यान खींचा है। यह चुनाव तय करेगा कि भारत एशिया की अगुवाई करेगा या वैश्विक नीति निर्माण में अमेरिका-यूरोप के बराबर खड़ा होगा। कई देशों के थिंक टैंक इसे भारत मॉडल ऑफ डेमोक्रेसी 2.0 के रूप में देख रहे हैं।

भारत में राजनीति अब भावनाओं और वादों से आगे निकलकर प्रदर्शन और परिणाम की राजनीति बन गई है। यही बदलाव 2027 और 2029 दोनों का लोकसभा निर्णायक होगा। राजनीतिक विश्लेषक लव कुमार मिश्र का मानना है कि भारत का लोकतंत्र अब वैश्विक संघर्ष में रोल मॉडल बन रहा है। यहां जनता सरकार को जवाबदेह बना रही है और यही लोकतंत्र

की असली ताकत है। भारत की राजनीति अब वैश्विक मंच पर लोकतंत्र की जीवंत मिसाल बन चुकी है। 2027 का उत्तर प्रदेश चुनाव उसकी पहली परीक्षा होगी और 2029 का लोकसभा चुनाव तय करेगा कि भारत विश्व राजनीति में लोकतांत्रिक नेतृत्व की अगली पंक्ति में खड़ा है या नहीं। जनता की जागरूकता, युवाओं की भागीदारी और सोशल मीडिया का संवाद अब भारत को एक नए युग की

राजनीति की ओर ले जा रहा है, जहां सत्ता जनता से चलती है और जनता दुनिया को दिशा देती है।

राजनीतिक विश्लेषक चन्द्रमा तिवारी के अनुसार, सत्ता और विपक्ष के बीच नए समीकरण बन रहे हैं, जो आने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनावों की दिशा तय करेंगे। राजनीतिक दलों ने अब रणनीति में बदलाव करते हुए क्षेत्रीय मुद्दों के साथ-साथ राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों को भी प्राथमिकता देना शुरू कर दिया है। विशेषज्ञ मानते हैं कि जनता की बदलती सोच, युवाओं की भागीदारी और सामाजिक मीडिया पर सक्रियता ने राजनीतिक माहौल को पूरी तरह बदल दिया है। केंद्रीय स्तर पर नई नीतियों और योजनाओं ने राज्य स्तर पर चुनावी समीकरण बदलने में अहम भूमिका निभाई है। वहीं, विपक्षी दलों के भीतर भी असंतोख और नए गठबंधनों की संभावना चर्चा में है। राजनीतिक हलकों में यह माना जा रहा है कि आगामी चुनाव में पुराने समीकरणों के टूटने के बाद सत्ता में आने वाले दल के लिए जनसंवाद और स्थानीय मुद्दों पर पकड़ अहम होगी।

